- बिहार-झारखंड संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 2.00
- पृष्ठ 04
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना। बुधवार, 27 नवंबर 2024 | सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की तबीयत बिगड़ी

चेन्नई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास की तबीयत खराब होने पर उन्हें चेन्नई के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत ठीक है। आरबीआई के प्रवक्ता ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि आरबीआई गवर्नर को एसिडिटी की शिकायत हुई, जिसके चलते उन्हें निगरानी के लिए चेन्नई स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब उनकी हालत ठीक है, अगले 2-3 घंटों में उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। चिंता की कोई बात नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने ही आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास लगातार दूसरे साल दुनिया के टॉप सेंट्रल बैंकर चुने गए थे। गवर्नर शक्तिकांत दास को सेंट्रल बैंक रिपोर्ट कार्ड 2024 में एक बार फिर ए+ ग्रेड मिला। गवर्नर दास को यह अवॉर्ड अमेरिका के वाशिंगटन डीसी में ग्लोबल फाइनेंस ने दिया।

लोकतंत्र का महापर्व: पैक्स निर्वाचन मतदान छातापुर में शांतिपूर्ण माहौल में हुआ संपन्न

महिला मतदाताओं में दिखा गजब का उत्साह

दैनिक बिहार पत्रिका/सुपौल

छातापुर पैक्स निर्वाचन 2024 के प्रथम चरण में मंगलवार को प्रखंड के 16 पैक्स में शांतिपूर्ण माहौल में मतदान कार्य संपन्न हो गया। चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के बीच निर्धारित समय सुवह सात बजे सभी बूथों पर मतदान कार्य शुरू किया गया। किसी बूथ पर सुवह सवेरे ही मतदाताओ की कतार लग गई थी तो कहीं अपराह्न काल भी मतदाता कतारबद्ध दिखे। मतदान केंद्रों के बाहर लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस बल जूटे रहे। वहीं प्रत्याशी व उसके समर्थक वोटरों को बूथ तक पहूंचाने में व्यस्त दिख रहे थे। कई बुजुर्ग महिला व पुरुष पैक्स मतदाताओं ने बूथों पर पहूंचकर अपना मतदान किया। कतारबद्ध महिला मतदाता वोट डालने के लिए बेहद उत्सुक नजर आ रही थी। सेक्टर, जोनल व पीसीसीपी की टीम मतदान केंद्र पर शांति व निष्पक्ष मतदान कराने में तत्पर बने रहे। डीडीसी सुधीर कुमार, डीपीआरओ गयानंद यादव, एडीएसएस, निर्मली एसडीएम, प्रतापगंज बीडीओ अमरेंद्र कुमार मिश्रा सहित कई अधिकारी व पदाधिकारी छातापुर पहूंचे और बूथों पर जाकर मतदान कार्य का जायजा लिया। इधर बीडीओ डा. राकेश गुप्ता नियंत्रण कक्ष में कर्मियों के साथ डटे रहे और मतदान कार्यों सहित सभी गतिविधियों पर पल पल नजर रख रहे थे। जबकि थानाध्यक्ष शिवशंकर कुमार सशस्त्र बलों के साथ विभिन्न बूथों पर भ्रमणशील रहे। नियंत्रण कक्ष के अनुसार सभी 16 पैक्स के बूथों पर सुवह नौ बजे तक 14.94 प्रतिशत मतदान हुआ। जिसके बाद दिन चढने के साथ ही मतदान का प्रतिशत बढता गया, 11 बजे तक 28. 99 प्रतिशत, एक बजे तक 43.02 प्रतिशत जबकि तीन बजे तक 55.1 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। एआरओ में बीपीआरओ देश कुमार यादव, एमओ संतोष कुमार, बीएओ सुधाकर पांडेय के अलावे सीओ राकेश कुमार सहित सभी नोडल व प्रतिनियुक्त कोषांग कर्मी मतदान कार्य निष्पादन में जुटे रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान की मांग

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से मतदान की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा कि जब एन. चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन रेड्डी जैसे नेता चुनाव हार जाते हैं तो वो कहते हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ हुई है, लेकिन जब वो ही इसके जरिये चुनाव जीत जाते हैं तो फिर कुछ नहीं बोलते हैं। तब ईवीएम में कोई खामी नजर नहीं आती है। याचिकाकर्ता ने सभी चुनाव बैलेट पेपर के जरिए करवाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि 18 राजनीतिक दलों का समर्थन उन्हें हासिल है। चंद्रबाबू नायडू और जगन मोहन जैसे नेता भी कह चुके हैं कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी बैलट वोटिंग की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर चुका है।

अमृत सरोवर भागवतपुर में समारोह पूर्वक मनाया गया संविधान दिवस

दैनिक बिहार पत्रिका/सुपौल

छातापुर प्रखंड के उधमपुर पंचायत स्थित अमृत सरोवर भागवतपुर में मंगलवार को संविधान दिवस मनाया गया। ग्रामीण विकास विभाग के सौजन्य से मनरेगा के द्वारा समारोह पूर्वक आयोजित कार्यक्रम में डीडीसी सुधीर कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए। मनरेगा पीओ कौशल राय के संचालन में हुए कार्यक्रम के दौरान डीडीसी ने भारतीय संविधान की उद्देशिका को पढ़कर व पढ़वाकर लोगों को शपथ दिलाया। वहीं अमृत सरोवर के किनारे पौधारोपण भी किया। समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य, जीविका दिदीयां, स्वच्छता कर्मी के अलावे पंचायत वासी काफी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर डीडीसी श्री कुमार ने कहा कि आज ही के दिन साल 1949 में भारतीय संविधान को अलिंकृत किया गया था। पुरे देश में आज संविधान दिवस को जल जीवन हरियाली के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। बताया कि अपने घर में व खेत में पानी का दुरुपयोग नहीं करें। जल ही जीवन है इसलिए इसके प्रति सचेत नहीं हुए तो आने वाले समय में पानी एक बड़ी समस्या हो सकती है। कोशी के इस इलाके में पानी की समस्या अभी नहीं दिख रही हो, परंतु पानी की बर्बादी नहीं रूकी तो आने वाले 25 से 30 साल के बाद पानी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। कहा कि इलाके में वृक्ष के कटने के अनुपात में पौधारोपण की संख्या बहुत कम है। पर्यावरण को संरक्षित और सुरक्षित रखने के लिए पौधा जरूर लगायें। बीडीओ प्रतापगंज अमरेंद्र कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतीय संविधान हमे स्वतंत्र रूप से जीने का अधिकार देती है। इसलिए देश के प्रत्येक नागरिक को इसे स्मरण में रखकर इसका पालन करना चाहिए। मनरेगा पीओ कौशल राय ने कहा कि हमारा संविधान देश के लोकतंत्र की खुबसुरती है। इसी संविधान को पढ़कर व समझकर लोकतंत्र के चारों स्तंभ अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। बताया कि उधमपुर के अलावे झखाडगढ, जीवछपुर, ठूंठी एवं सोहटा पंचायत स्थित अमृत सरोवर मे भी मुखिया एवं पीआरएस के नेतृत्व भारतीय संविधान दिवस मनाया गया। स्थानीय मुखिया महानंद यादव, पंसस जयकृष्ण मंडल ने भी मौके पर अपनी बातों को रखा। समारोह में स्वच्छता समन्वयक संजय कुमार, जीविका बीपीएम रमाकांत मंडल, लेखापाल मदन कुमार, जेइ कुमार सौरभ, पीटीए उमेश प्रसाद साहू व सुशील कुमार, स्वच्छता पर्यवेक्षक अंजित कुमार गुप्ता आदि मौजूद थे।

चोरी के मोटरसाईकिल एवं 130 लीटर देशी शराब बरामद के साथ एक गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सारण पुलिस द्वारा ज़िले में अवैध शराब का सेवन, निर्माण, बिक्री, भण्डारण, परिवहन, शराब तस्करों एवं शराब कारोबारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अवतारनगर थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोटरसाईकिल पर बोरा में देशी शराब लेकर ग्राम बलुआ दियर से ग्राम मोजमपुर फुलवरिया टोला के तरफ आ रहा है। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम मौजमपुर फुलवरिया टोला पहुँच कर गंगा होटल के पास से उक्त व्यक्ति अरूण राय, पिता स्व० हीरालाल राय, ग्राम बलुआ, थाना- डोरीगंज, जिला- सारण को हिरासत में ले कर तलाशी ली गयी। तलाशी के क्रम में मोटरसाईकिल पर रखे बोरे से 130 लीटर देशी शराब बरामद कर मोटरसाईकिल के बारे में पुछ-ताछ किया गया तो अरूण कुमार के द्वारा बताया गया कि यह मोटरसाईकिल चोरी का है, तथा इसी से शराब का परिवहन करते हैं। इस संबंध में अवतारनगर थाना कांड सं0-352/24,दिनांक-25.11.2024धारा-317 (2) बी०एन०एस० एवं 30 (ए) बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधि० दर्ज किया गया। इस कांड में संलिप्त शराब तस्करों / कारोबारियों की गिरफ्तारी हेतु अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

झारखंड में कांग्रेस को नहीं मिलेगा डिप्टी CM का पद, 4 मंत्री पद से करना पड़ेगा संतोष!

दैनिक बिहार पत्रिका / झारखंड

झारखंड में 28 को हेमंत सोरेन सरकार का शपथ ग्रहण होगा| विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद हेमंत सोरेन आज दिल्ली पहुंचे हुए थे| जहां, उन्होंने पक्ष और विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकात भी की| इस बीच कांग्रेस के लिए एक बड़े झटके वाली बात भी सामने आई है| सूत्रों के मुताबिक, झारखंड में कांग्रेस को डिप्टी सीएम का पद नहीं मिलेगा| जेएमएम ने यह पद देने से मना कर दिया है| दो दिन पहले खबर आई थी कि हेमंत सोरेन ने कांग्रेस को साफ बता दिया था कि सरकार में पहले जो व्यवस्था चल रही थी वही चलेगी|जानकारी के मुताबिक, झारखंड में कांग्रेस को डिप्टी सीएम का पद भले न मिले लेकिन 4 मंत्री पद जरूर मिलेंगे|4 मंत्री पद के लिए जो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं उसमें रामेश्वर उरांव, दीपिका पांडे सिंह, इरफान अंसारी और अनूप सिंह और श्वेता सिंह में से कोई शामिल हो सकते हैं| इसमें शुरू के तीन नेता हेमंत सोरेन की पहले की सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं|चौथे नाम को लेकर पार्टी के भीतर अभी माथापच्ची चल रही है|

अनूप सिंह और श्वेता सिंह पर फंसा है पेंच

अनूप सिंह धनबाद से आते हैं, सवर्ण और राजपूत समाज से हैं. राजेन्द्र सिंह के बेटे हैं, रसूखदार, बड़ा, पुराना और मजदूर यूनियन की सियासत पर पकड़ रखने वाला परिवार है. दूसरी ओर श्वेता सिंह, बोकारो के बड़े नेता समरेश सिंह की बहू हैं. यूथ कांग्रेस से हैं, पिछला चुनाव कम मतों से हारी थीं, पहली बार जीती हैं. अब हाईकमान को इन दो नामों में से किसी एक पर मुहर लगाना है|

खरगे से मिले हेमंत सोरेन

दिल्ली पहुंचे हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेने के साथ राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से भी मुलाकात की. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं. हालांकि, उनकी इस मुलाकात को केवल एक औपचारिक भेंट बताया जा रहा है. इसके बाद हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना ने अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात की.झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा को 34 सीटों पर जीत मिली है. 81 विधानसभा सीटों वाले राज्य में कांग्रेस को मात्र 16 सीटों पर संतोष करना पड़ा है. 4 सीट आरजेडी को मिली है. वहीं, बीजेपी 21 सीट जीतने में सफल रही है. एक सीट एजेएसयूपी और एलजेपीआरवी को मिली हैं और 2 सीटें सीपीआईएमएल को मिली है.

पटेल छात्रावास में जदयू जिला कार्यकारिणी की बैठक आज

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

जदयू प्रदेश महासचिव सह सारण प्रमंडल संगठन प्रभारी रणविजय कुमार के उपस्थिति में जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू के अध्यक्षता में पटेल छात्रावास छपरा में आज बुधवार को वर्तमान एवं पूर्व विधायक,विधान पार्षद,विधानसभा के पूर्व प्रत्याशीगण, पार्टी में जिला से प्रदेश में पदाधिकारीगण, प्रदेश से नियुक्त विधानसभा प्रभारीगण, राज्य परिषद सदस्यगण, वरीय नेतागण पूर्व जिला अध्यक्षगण,जिला बीस सूत्री सदस्यगण, जिला कमिटी के पदाधिकारीगण,जिला से प्रदेश में सभी प्रकोष्ठ के निवर्तमान पदाधिकारीगण, प्रकोष्ठ के निवर्तमान जिलाध्यक्षगगण पार्टी के प्रखण्ड अध्यक्षगणों एवं समर्पित कार्यकर्ता साथियों की सयुक्त बैठक आहूत की गई है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि यह बैठक अगामी 8 दिसम्बर को रामजयपाल कॉलेज छपरा में होने वाले जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा।,

छपरा सदर अस्पताल के फार्मासिस्ट ने पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल

दैनिक बिहार पत्रिका / छपरा

छपरा सदर अस्पताल के फार्मासिस्ट शशि रंजन ने पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर सारण सहित पटना का भी मान बढ़ाया। फार्मासिस्ट शशि रंजन एक अच्छे पावरलिफ्टर माने जाते हैं, हाल ही में पंजाब के मोहाली में आयोजित ऑल इंडियन नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप-2024 में उन्होंने 70 किलो बॉडीवेट में 310 किलो वजन उठाकर गोल्ड मेडल जीता है और इसके साथ ही पावरलिफ्टिंग में अपनी मजबूत पकड़ को कायम रखा है। यह नेशनल प्रतियोगिता पंजाब के मोहाली स्थित रयत यूनिवर्सिटी में आयोजित की गई थी। बता दे की फार्मासिस्ट शशि रंजन मूल रूप से पटना जिला के चैनपुरा, पटना सिटी निवासी शिव शंकर प्रसाद एवं सतरूपा देवी के पुत्र हैं। उनके इस जीत पर उनके गृह जिला एवं कार्य क्षेत्र जिला दोनों में खुशी की लहर है।

उनकी पोस्टिंग छपरा सदर अस्पताल में है, अस्पताल में फार्मासिस्ट के पद पर भली भांति कार्य करते हुए वह सुबह शाम दोनों समय सदर अस्पताल स्थित अपने क्वार्टर में एक्सरसाइज वह पावरलिफ्टिंग का अभ्यास करते रहते हैं। जहां उन्होंने अपने क्वार्टर के कमरे को भी जिम के रूप में बना रखा है। वह आने वाले दिनों में युवाओं के लिए कोच व ट्रेनर के रूप में उनका मार्गदर्शन करना चाहते हैं।

वैसे अब तक उनके द्वारा अनेक गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं ब्रॉन्ज मेडल जीता जा चुका हैं और अनेकों बार बड़े मंच पर सम्मानित भी हो चुके हैं।

कुशल युवा कार्यक्रम से सम्बंधित बैठक की गयी आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला अंतर्गत स्थित मैक्सवेल कंप्यूटर सेंटर में बिहार सरकार के 7 निश्चय अंतर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम से सम्बंधित बैठक आयोजित की गयी। मैक्सवेल कंप्यूटर सेंटर में बैठक के दौरान कुशल युवा प्रोग्राम के मार्केटिंग को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया गया। साथ ही मीटिंग में ईरा के बारे में बहुत सारा चीज बताई गयी। साथ ही बताया गया की ईरा में जितना भी प्रकार का एक्टिविटी होता है। हर एक एक्टिविटी पर एमकेसीएल की टीम निगरानी कर रही है और बिहार सरकार इस कोर्स को और भी बेहतरीन बनाने का सोच रहे हैं। मुख्य रूप से बैठक में एमकेसीएल की टीम के असिस्टेंट रीजनल मेनेजर राहुल कुमार, क्लस्टर मेनेजर पायल सिंह, मैक्सवेल कंप्यूटर सेंटर के सेंटर कोऑर्डिनेटर डायमंड कुमार, लर्नर फैसिलिटेटर प्रिंस कुमार, एंजेल कंप्यूटर सेंटर बौंसी के सेंटर ओनर कुमार चंदन सहित अन्य सेंटर संचालक उपस्थित थे।

कुशल युवा कार्यक्रम से सम्बंधित बैठक की गयी आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला अंतर्गत स्थित मैक्सवेल कंप्यूटर सेंटर में बिहार सरकार के 7 निश्चय अंतर्गत संचालित कुशल युवा कार्यक्रम से सम्बंधित बैठक आयोजित की गयी। मैक्सवेल कंप्यूटर सेंटर में बैठक के दौरान कुशल युवा प्रोग्राम के मार्केटिंग को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया गया। साथ ही मीटिंग में ईरा के बारे में बहुत सारा चीज बताई गयी। साथ ही बताया गया की ईरा में जितना भी प्रकार का एक्टिविटी होता है। हर एक एक्टिविटी पर एमकेसीएल की टीम निगरानी कर रही है और बिहार सरकार इस कोर्स को और भी बेहतरीन बनाने का सोच रहे हैं। मुख्य रूप से बैठक में एमकेसीएल की टीम के असिस्टेंट रीजनल मेनेजर राहुल कुमार, क्लस्टर मेनेजर पायल सिंह, मैक्सवेल कंप्यूटर सेंटर के सेंटर कोऑर्डिनेटर डायमंड कुमार, लर्नर फैसिलिटेटर प्रिंस कुमार, एंजेल कंप्यूटर सेंटर बाँसी के सेंटर ओनर कुमार चंदन सहित अन्य सेंटर संचालक उपस्थित थे।

संविधान दिवस के अवसर पर छात्र छात्राओं को पढ़ाया गया संविधान का पाठ

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बाँसी/बांका| बाँसी प्रखंड अंतर्गत थाना कॉलोनी स्थित बिहार सरकार द्वारा संचालित कुशल युवा कार्यक्रम केंद्र एंजेल कंप्यूटर एजुकेशन सेंटर के प्रांगण में नेहरू युवा क्लब बाँसी एवं होली फैथ हेल्पिंग सोसाइटी के तत्वाधान में संसथान के संगरक्षक मदन मेहरा एवं रमेश शर्मा की उपस्तिथि में संविधान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर भी प्रकाश डाला गया। साथ ही भारत के संविधान के बारे में भी चर्चा की गई। वहीं भारत के संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर शपथ ली गई। कार्यक्रम में बच्चों को संबोधित करते हुए संस्थान के संचालक कुमार चंदन ने कहा कि, 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ और 26 जनवरी 1950 को हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं।

क्योंकि उस दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। यह कांग्रेस पार्टी थी। जिसने सबसे पहले संविधान सभा की मांग की थी। 1940 में ब्रिटिश सरकार ने इस मांग को स्वीकार कर लिया। भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया था। संविधान सभा के पहले अध्यक्ष चुने गए जो डॉ सच्चिन्दानंद सिन्हा थे और डॉ बी आर अंबेडकर को अध्यक्ष के रूप में चुना गया था। 26 नवंबर 1950 को, भारत का संविधान वह कानून था। जिसका पालन सभी भारतीयों को करना था।

लंबे समय तक भारत के संविधान के प्रभावी होने के साथ, इसका अत्यधिक महत्व था। इसने ब्रिटिश प्रभुत्व को पूरी तरह से उखाड़ फेंकने का संकेत दिया। यह एक ऐसे देश को दर्शाता है। जहां उनके लोग अपने लोगों पर शासन करते हैं। इसने सभी के लिए समानता की घोषणा की, जो ब्रिटिश पदानुक्रम में मौजूद नहीं था। चूंकि यह इतनी बड़ी उपलब्धि थी और एक बड़ा मील का पत्थर तक पहुंच गया था, डॉ बीआर अंबेडकर की 125 वीं जयंती पर, 19 नवंबर 2015 को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया, तब से डॉ बीआर अंबेडकर ने इसके अस्तित्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक आशीष कुमार,शालू कुमारी सहित दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संविधान दिवस के अवसर पर उप मुखिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

फुल्लीडुमर| प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत पथड्डा अंतर्गत डिमैय के अमृत सरोवर पोखर के प्रांगण में मंगलवार को संविधान दिवस के अवसर पर संबंधित पंचायत के उप मुखिया आरती कुमारी की अध्यक्षता में एवं पंचायत रोजगार सेवक शैलजानंद झा के नेतृत्व में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की जयघोष के साथ किया गया। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उपमुखिया आरती कुमारी ने कहा कि भारत का संविधान समस्त भारतवासियों को समानता का अधिकार देते हुए सत्य एवं अहिंसा के राह पर चलने की सीख देती है। अतः हमें भारत के संविधान में पूर्ण निष्ठा एवं विश्वास रखकर कोई भी कार्य विधि सम्मत करनी चाहिए। वहीं आयोजित कार्यक्रम के मौके पर निलेश झा, फंटूश दास, अमर किशोर यादव, अनुजानंद अनुज, रोहित सहित काफी संख्या में पंचायत वासी उपस्थित थे।

बांका: संविधान दिवस पर आयोजित कार्यकम में न्यायमूर्ति ने पढ़ा संविधान

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

पीबीएस कॉलेज बांका में मंगलवार को कॉलेज प्रशासन की ओर से संविधान दिवस पर परिचर्चा एवं शपथ समारोह का आयोजित किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि राजेश कुमार सिंह अवर मुख्य न्यायाधीश सिविल कोर्ट बांका ने शिरकत की। वहीं, बतौर विशिष्ट अतिथि न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी विजय कुमार, अधिवक्ता महेश्वरी यादव, प्रभारी प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार साह, वर्सर डॉ सुरेश बिंद, डॉ प्रो देवानंद, नरेश प्रियदर्शी सहित सभी शिक्षोकत्तर कर्मी के साथ महाविद्यालय के सभी कर्मी सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्रा उपस्थित रहे। बता दें कि दोपहर एक बजे कार्यक्रम शुरू सभी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

इसमें वर्सर डॉ प्रो सुरेश बिंद ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह ने विधान प्रस्तावना पढ़ी। इसमें सभी लोग शामिल हुए. जिला जज ने कहा कि संविधान सभी देशों की शांति व स्थापना का आधार होता है। इसके बिना कोई भी देश स्वतंत्र नहीं रहता। जिस देश में खुद सं का संविधान होता है, वहां लोग शांति से रहते हैं और उस देश में आर्थिक, सामाजिक प्रगति होती है। इसके साथ ही उन्होंने अपने कॉलेज समय की घटना साझा की। उन्होंने कहा कि सभी देशों के संविधान व स्वतंत्रता नहीं है। लेकिन भारत एक धर्मनिरपेक्ष, स्वतंत्र देश है। आज भी बहुत से ऐसे देश हैं जहां पर तानाशाही चलती है। इसके बाद भाषण प्रतियोगिता शुरू की गई। पूरे कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रा रूबी कुमारी का भाषण चर्चा का विषय बना रहा। कार्यक्रम के अंत में जिला जज ने छात्र-छात्राओं से एक वादा भी किया। उन्होंने कहा कि महीने में एक दिन कॉलेज में संविधान की क्लास लगेगी और जिला जज छात्र-छात्राओं को समय देंगे।

जनजातीय गौरव दिवस का समापन समारोह मनाया गया

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जनजातीय गौरव दिवस का समापन समारोह जिला सभागार बांका मे मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त, बांका के द्वारा किया गया। समापन समारोह में जिला कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, जनजातीय सामाजिक कार्यकर्ता सोनेलाल किस्कू, जोगेश्वर मरांडी आदि एवं बांका जिला अन्तर्गत सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी मौजूद रहे। उप विकास आयुक्त महोदय द्वारा जनजातीय गौरव दिवस की महत्ता के बारे में बताते हुए सरकार द्वारा जनजातीय समूह के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं की जानकारी दी गयी । कार्यक्रम में जनजातीय सामाजिक कार्यकर्ता के द्वारा जनजातीय समूह के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में आने वाली समस्याओ के बारे में उप विकास आयुक्त महोदय को अवगत कराया गया। समारोह का समापन संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की उद्देशिका की शपथ के साथ किया गया।

बांका जिला लोक सेवा प्रदायगी में राज्य में अव्वल

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बिहार लोक सेवाओं का अधिकार अधिनियम 2011 के तहत आमजनों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्रदायगी सुनिश्चित करने में बांका जिला ने फिर से अपनी प्रतिष्ठा कायम रखी है। जिले के युवा और ऊर्जावान जिलाधिकारी श्री अंशुल कुमार के उत्कृष्ट नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी (सामान्य प्रशासन विभाग), बिहार सरकार द्वारा सितंबर 2024 की जारी रैंकिंग में बांका जिला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग समय सीमा के भीतर सेवा प्रदायगी, दायर अपीलों का निष्पादन, अधिरोपित दंड राशि की वसूली, और लोक सेवा केंद्रों के निरीक्षण जैसे मापदंडों पर आधारित होती है। सितंबर 2024 में बांका को कुल 100 अंकों में से 89.977 अंक प्राप्त हुए। आम जनों को समय पर सेवा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध जिलाधिकारी श्री अंशुल कुमार प्रत्येक माह लोक सेवकों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित करते हैं, जिससे लोक सेवाओं की प्रदायगी में लगातार सुधार सुनिश्चित हो। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सेवाओं में देरी या लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। समय सीमा का उल्लंघन करने पर संबंधित लोक सेवकों पर अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह उपलब्धि जिला प्रशासन की समर्पण और आम नागरिकों के प्रति उनकी सेवा भावना का प्रमाण है। यह सफलता न केवल बांका की प्रशासनिक क्षमता को दर्शाती है, बल्कि इसे राज्य के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनाती है। बांका जिला की यह निरंतरता यह सुनिश्चित करती है कि लोक सेवाओं की प्रदायगी में उत्कृष्टता बनाए रखते हुए, प्रशासन आम जनता के जीवन को सुगम और संतुष्टिपूर्ण बनाने के अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है।

नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर समाहरणालय, बांका से आर०एम०के० ग्राउण्ड, बांका तक प्रभात फेरी का आयोजन मंगलवार को सुबह 08 बजे उपविकास आयुक्त एवं पुलिस अधीक्षक बांका के द्वारा हरी झण्डी दिखा कर किया गया। हरी झण्डी दिखाने में अधीक्षक मद्यनिषेध रविन्द्र कुमार सिंह, कुन्दन कुमार जिला शिक्षा पदाधिकारी, बांका उपस्थित रहे। नगर भवन बांका में 11:00 बजे से अधिवेशन भवन पटना से लाईव प्रसारण का उपविकास आयुक्त, बांका, अधीक्षक मद्यनिषेध बांका, निरीक्षक मद्यनिषेध मनोज कुमार, निरीक्षक मद्यनिषेध प्रशांत कुमार एवं आई०टी० प्रबंधक प्रमोद कुमार के द्वारा दीप प्रजवलीत कर किया गया जिसमें जिविका दीदी भी शामिल हुए। एस०एस० बालिका उच्च विद्यालय, बांका में जिला स्तरीय नशा मुक्ति प्रतियोगिता 2024 का आयोजन किया गया जिसमें निबंध, चित्रकला, वादविवाद एवं रंगोलि प्रतियोगिता को शामिल किया गया। मद्यनिषेध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये बांका जिला से अंशुल कुमार, जिला पदाधिकारी, बांका, अर्चना कुमारी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बाँसी एवं अरविन्द कुमार सहायक अवर निरीक्षक मद्यनिषेध, बांका को अधिवेशन भवन पटना मे माननीय विभागीय मंत्री रत्नेश सदा के द्वारा पुरुस्कार प्रदान किया गया। वहीं जिला स्तरीय नशा मुक्ति प्रतियोगिता 2024 के सफल प्रतिभागी को विजेता प्रमाण पत्र दिया गया।

जीविका के तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बांका जिले में जीविका के तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों को नशा के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और एक स्वस्थ व नशामुक्त समाज का निर्माण करना है। इस अभियान के तहत सभी प्रखंड, गांव और पंचायतों में विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी महिलाओं और जीविका दीदियों ने प्रातःकालीन रैली निकालकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। मेहंदी प्रतियोगिता में महिलाओं ने अपनी कला और रचनात्मकता का प्रदर्शन करते हुए नशा मुक्ति का संदेश मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से प्रसारित किया। रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 'नशा छोड़ो, जीवन सवारो' जैसे नारे लगाए। शपथ ग्रहण समारोह: सामूहिक रूप से नशा त्यागने और दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। जीविका दीदियों के सक्रिय योगदान से यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले सका। स्थानीय समुदाय के लोगों ने इस पहल को सराहा और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग का आश्वासन दिया। अभियान में "नशा त्यागें, जीवन को खुशहाल बनाएं।" का संदेश दिया गया। बांका जिले में जीविका के माध्यम से यह अभियान समाज को सकारात्मक दिशा देने की एक सशक्त पहल है।

समाजसेवी के द्वारा कराया गया असहाय कन्या का विवाह

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

पसराहा थाना क्षेत्र के द्वादश ज्योतिर्लिंग शिव मंदिर के प्रांगण में सोमवार देर शाम एक गरीब असहाय कन्या का विवाह करा कर उसे सोनडीहा के समाजसेवी मुनिलाल सिंह के द्वारा 21000 इक्कीश हजार का चेक दिया। अब गरीब कन्या के विवाह में धन बाधक नही होगा,वे शिव रात्रि तक इस प्रकार के विवाह पर नव विवाहित जोड़े को 21000 इक्कीस हजार रुपये की आर्थिक मदद करते रहेंगे।उक्त बातें मुनिलाल सिंह ने सोमवार शाम द्वादश ज्योतिर्लिंग शिव पार्वती मंदिर सोनडीहा के प्रांगण में संबोधित करते हुए कहा। उल्लेखनीय है कि कन्या पक्ष सुनीता कुमारी पिता सुलेन मुनी पसराहा पंचायत वार्ड नंबर एक में वर पक्ष छोटेलाल राय पिता अरुण राय विशंभरपुर पंचायत मुजफ्फरपुर की शादी हिन्दू विधि विधान से सोमवार देर शाम मंदिर परिसर में दोनो पक्ष के परिजनों की उपस्थिति में सम्पन्न कराई गई।इस अवसर पर जोगी सिंह, अखिलेश कुमार, पंसस जय चंद्र कुमार, अभिमन्यु कुमार, गिरीश कुमार,पूर्व मुखिया प्रदीप ठाकुर, रंजीत यादव, डॉ लक्ष्मण सिंह, सूरज कुमार, मधुसूदन सिंह, भीम कुमार, अमित कुमार, उमाकांत सिंह, संतोष कुमार, निरंजन सिंह, दीपक कुमार, हरदेव सिंह, बहादुर बाबा, पवन कुमार, दीपक कुमार, रंजीत कुमार, सोनू कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से जखमी

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

गोगरी थाना क्षेंत्र में मंगलवार को एक सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से जखमी हो गए।सभी को इलाज के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया।इसमें एक महिला और एक पुरुष हालात गंभीर बनी हुई है।प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक शोभा रानी ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया है।घटना खगड़िया और मुंगेर जिला के हरिन मार पंचायत को जोड़ने वाली सड़क पर पुल के समीप की बताई जा रही है। किस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक खगड़िया जिले गोगरी शिव मंदिर से मुंगेर जिले के हिरणमार पंचायत तक जाने वाली सड़क मार्ग पर छोटी पुल के समीप गोगरी से जा रही है एलपीजी गैस ले जा रही पिकअप वैन और हरिनमार की तरफ से आ रही ई रिक्शा में टक्कर हो गई। बताया जाता है कि टक्कर होने के बाद एलपीजी गैस सिलेंडर ले जा रही पिकअप वैन के चालक फरार हो गए।इस घटना में ई-रिक्शा पर सवार सभी लोग जख्मी हो गए।दियारा से लौट रहे जद यू नेता जमालपुर निवासी रितेश कुमार ने घायलों को लेकर गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। 10 से 15 मिनट तक घायल तड़पता रहा।इस बीच कोई भी स्वास्थ्य कर्मी स्टेचर और व्हीलचेयर लेकर नहीं पहुंचा।कुछ दयावान लोगों की मदद से इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचाया।जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर शोभा रानी ने एक महिला और एक पुरुष को गंभीर रूप से जख्मी को प्राथमिक उपचार के बाद खगड़िया सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जदयू नेता रितेश कुमार ने बताया कि घटना में गंभीर रूप से घायल और खून से लथपथ लोगों को पहले तो गाड़ी वाला उठा कर ले जाने में आनाकानी करता रहा। जब शक्ति से एक ई रिक्शा को रोका गया।उस पर सभी लोगों को अस्पताल लेकर पहुंचे।स्ट्रचर और व्हीलचेयर लेकर जब कोई स्वास्थ्य कर्मी नहीं पहुंचा।आखिरकार कुछ लोगों की मदद से जख्मी लोगों को उठाकर इमरजेंसी वार्ड तक ले जाना पड़ा।गंभीर रूप से घायल लोगों की पहचान शबनम देवी पति राज कुमार सिंह ग्राम हरिनमार जिला मुंगेर,स्वेता देवी पति क्षेत्री पटेल वार्ड नंबर 15 कटधारा दियारा थाना गोगरी जिला खगड़िया,पवन दास पिता गणेशी दास ग्राम हरिनाम वार्ड 6 जिला मुंगेर एवं रंजना देवी पति पवन दास ग्राम हरिनमार वार्ड नंबर 6 जिला मुंगेर के रूप में की गई।

राज्य सरकार ने गन्ना का समर्थन मूल्य 10 रुपये बढ़ाया

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

बिहार के गन्ना किसानों को पेराई सत्र 2024-25 में न्यूनतम समर्थन मूल्य से प्रति क्विंटल 10 रुपये ज्यादा भाव मिलेगा। बिहार शुगर मिल एसोसिएशन (बिस्मा) की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस निर्णय के बाद राज्य के किसानों को मिल द्वार पर उत्तम प्रजाति के गन्ना का 365 रुपये, सामान्य प्रजाति का 345 रुपये, निम्न प्रजाति का 310 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा। बाह्य क्रय केन्द्रों पर खरीदे गए सभी प्रजाति के गन्ने पर मिल द्वार के क्रय मूल्य से 20 रुपये प्रति क्विंटल कम रहेगा। बैठक की अध्यक्ष गन्ना मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने की। शुगर मिल प्रतिनिधियों के अलावा इस बैठक में गन्ना सचिव और ईखायुक्त भी उपस्थित रहे।

हर प्रकार के नशे से मुक्ति का प्रण लें : मुख्यमंत्री

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नशामुक्ति दिवस के अवसर पर लोगों से हर प्रकार के नशे से मुक्ति का प्रण लेने की अपील की है। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस संबंध में अपना पोस्ट भी डाला। इसमें उन्होंने लिखा- आज नशामुक्ति दिवस पर हर प्रकार के नशे से मुक्ति का प्रण लें और बिहार को स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल बनायें।

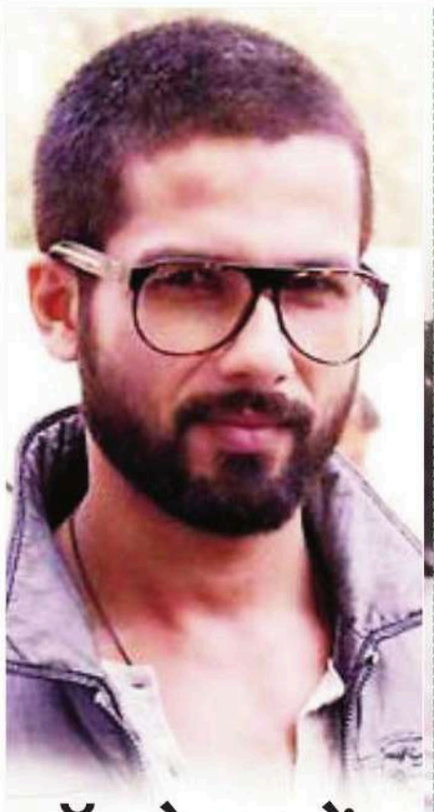

कॉकटेल 2 में मुख्य भूमिका में नजर आ सकते हैं शाहिद कपूर

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म देवा को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इस बीच साल 2012 में रिलीज हुई सफल फिल्म कॉकटेल के सीक्वल में उनके जुड़ने की चर्चा काफी तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैफ अली खान की फिल्म कॉकटले का सीक्वल बनाया जाने वाला है, जिसमें शाहिद कपूर को मुख्य भूमिका में लिए जाने की बात कही जा रही है।

सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी अभिनीत कॉकटेल, जो व्यावसायिक रूप से काफी सफल रही थी। इसके निर्देशन, साउंडट्रैक और कलाकारों के शानदार अभिनय के लिए इसकी प्रशंसा की गई थी। अब, अगर रिपोर्ट्स पर विश्वास किया जाए, तो रोमांटिक कॉमेडी का सीक्वल बनने वाला है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि कॉकटेल 2 एक शहरी रोमांटिक कॉमेडी होगी, जिसमें प्यार और दोस्ती को दिखाया जाएगा। कहा जा रहा है कि निर्माता दिनेश विजान एक मनोरंजक प्रेम कहानी बनाना चाहते हैं, जो युवा दर्शकों को पसंद आए।

शाहिद को पसंद आई है कहानी

एक रिपोर्ट के अनुसार, कॉकटेल 2 पर मैडॉक फिल्म्स काम कर रही है। कथित तौर पर फिल्म में शाहिद कपूर मुख्य भूमिका निभाएंगे। होमी अदजानिया एक बार फिर से फिल्म का निर्देशन करेंगे, जिन्होंने साल 2012 की मूल फिल्म कॉकटेल का निर्देशन किया था। रिपोर्ट के मुताबिक शाहिद को फिल्म की कहानी काफी पसंद आई है। अगर ये रिपोर्ट सच साबित होती हैं, तो शाहिद कपूर विशाल भारद्वाज की एक्शन थ्रिलर देवा को खत्म करने के बाद ही कॉकटेल 2 की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

मैडॉक फिल्म्स के साथ शाहिद कर चुके हैं काम

पीपिंग मून की रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद कपूर ने अभी तक फिल्म साइन नहीं की है, लेकिन उन्होंने मौखिक रूप से फिल्म के लिए हामी भर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉकटेल 2 का निर्माण साल 2025 के मध्य में शुरू होने वाला है। ऐसा हुआ, तो कॉकटेल 2 शाहिद की मैडॉक फिल्म्स के साथ तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया के बाद दूसरी फिल्म होगी। कुछ रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि होमी अदजानिया और दिनेश विजान कुछ वर्षों से 'कॉकटेल' के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं।

नॉर्थ-साउथ फिल्मों की डिबेट पर तमन्ना का बड़ा बयान

तमन्ना भाटिया को बतौर अभिनेत्री एक बड़ा मुकाम दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करके मिला। बाद में वह हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनीं। वह दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री की फिल्मों में लंबे समय से अभिनय कर रही हैं। उनकी कई हिंदी और साउथ की फिल्में हिट भी हुई हैं। हाल ही में तमन्ना से एक इंटरव्यू में नॉर्थ और साउथ इंडियन फिल्मों की डिबेट के बारे में सवाल किया गया। उनसे पूछा गया कि लंबे समय से एक विवाद बना हुआ कि हिंदी की फिल्में बेहतर हैं या साउथ की फिल्में अच्छी बनती हैं। दर्शक भी इस मामले में दो हिस्सों में बंटे हुए नजर आते हैं। इस सवाल के जवाब में तमन्ना ने बहुत ही अच्छा जवाब दिया। क्या कहना है तमन्ना भाटिया क्या नॉर्थ और साउथ इंडियन फिल्मों की डिबेट पर।

मतभेद खत्म करने की बात की

हालिया दिए अपने एक इंटरव्यू में तमन्ना भाटिया कहती हैं, अब वक्त आ गया है कि हम इन दोनों इंडस्ट्रीज में मतभेद पैदा करना बंद करें। नॉर्थ और साउथ इंडस्ट्री को साथ मिलकर चलना चाहिए और एक पैन इंडिया फिल्म बनानी चाहिए। वह यह भी कहती हैं कि इन दोनों इंडस्ट्रीज को एक-दूसरे के खिलाफ खेलना बंद करना चाहिए। यह सब लंबे समय से हो रहा है और इस कारण काफी नुकसान भी हुआ है। अब दक्षिण और उत्तर भारत वाली फिल्मों की बहस को खत्म किया जाना चाहिए।

सिकंदर का मुकद्दर को लेकर उत्साहित

नेटफ्लिक्स पर जल्द ही तमन्ना भाटिया की फिल्म सिकंदर का मुकद्दर रिलीज होगी। इसमें उनके साथ अभिनेता अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल भी नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर वह काफी खुश हैं। इसमें तमन्ना का रोल काफी हटकर होने वाला है।

कहानी है रोमांच से भरी

तमन्ना भाटिया की फिल्म सिकंदर का मुकद्दर एक थ्रिलर स्टोरी है। इसमें हीरे की चोरी की एक अनसुलझी कहानी दिखाई जा रही है। एक पुलिस ऑफिसर इस चोरी को अंजाम देने वाले लोगों की तलाश में लगा हुआ है। फिल्म में तमन्ना का रोल काफी रहस्य से भरा है। साथ ही इस फिल्म की कहानी भी दर्शकों को रोमांचक अनुभव देने वाली साबित होगी।

विवियन डीसेना के समर्थन में आईं दलजीत कौर

बिग बॉस 18 इस वक्त काफी चर्चा में है। शो के प्रतियोगी लगातार दर्शकों को मनोरंजन कर रहे हैं। शो के निर्माताओं द्वारा विवियन डी सेना को बार-बार लाडला बताया जा रहा है। इसे लेकर लोग अक्सर सोशल मीडिया पर विवियन को लेकर प्रतिक्रियाएं देते रहते हैं। कई मौकों पर लोगों ने बार-बार बिग बॉस 18 के निर्माताओं पर विवियन डीसेना को लेकर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। अब इस पर बिग बॉस की पूर्व प्रतियोगी और अभिनेत्री दलजीत कौर ने भी बयान दिया है, जिसमें उन्होंने विवियन को लाडला कहने के लिए निर्माताओं को आड़े हाथों लिया है।
दलजीत कौर ने मौजूदा सीजन बिग बॉस 18 के प्रतियोगी विवियन डीसेना का समर्थन किया है। उन्होंने विवियन को लाडला कहने वालों की आलोचना की है। अभिनेत्री ने बताया कि यह टैग विवियन के लिए शो में उतना अच्छा नहीं हैं, जितना लोगो को लगता है। दलजीत ने कहा कि यह लेबल उनके खिलाफ भी काम कर सकता है और खेल में अभिनेता के लिए अनावश्यक परेशानी पैदा कर सकता है। दलजीत ने आगे कहा कि किसी को लाडला के रूप में लेबल किए जाने से दर्शकों को ऐसा लग सकता है कि अभिनेता को निर्माताओं की तरफ से खास सुविधा दी जा रही है।
लाडला बताए जाने से विवियन की बढ़ेंगी मुश्किलें दलजीत ने आगे कहा की, मुझे लगता है कि अगर उन्हें बार-बार लाडला कहा जा रहा है, तो इससे उन्हें बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा होगा। यह किसी को नीचा दिखाने का एक तरीका है। अगर वह कल जीतते हैं, तो लोग कहेंगे कि यह पहले से सेट था, जो कि गलत है। मुझे नहीं पता कि यह उनके लिए कैसे काम कर रहा है, लेकिन मेरे दिमाग में, यह सब ठीक नहीं है। उनके टैलेंट को देखिए।

क्या सामंथा के ग्लैमर को मैच कर पाएंगी श्रीलीला?

'पुष्पा 2' के ऑइटम नंबर से दर्शकों को बड़ी उम्मीदें

श्रीलीला की उस समय देश भर में चर्चा होने लगी जब उनका नाम अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से जुड़ा। वह फिल्म में दक्षिण भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की जगह आइटम नंबर करेंगी। श्रीलीला तेलुगु सिनेमा की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली हीरोइनों में से एक हैं और उन्होंने कई स्टार हीरो के साथ काम किया है। हालांकि, उनके अब तक के किए गए प्रोजेक्ट्स में से 'पुष्पा 2' सबसे बड़ा होगा, लेकिन अभिनेत्री पर फिल्म में अपने डांस मूव्स से प्रभावित करने का दबाव भी होगा। आइए जानते हैं क्यों?

श्रीलीला पर होगा दबाव

इससे पहले अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने 'पुष्पा' में ऊ अंतवा गाने में अपनी धमाकेदार प्रस्तुति से आग लगा दी थी। उनका यह गाना हिट साबित हुआ था। उनके हॉट अंदाज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस गाने बाद से ही उन्हें बॉलीवुड में भी काफी बढ़ावा मिला।

क्या सामंथा के ग्लैमर को मैच कर पाएंगी श्रीलीला?

सामंथा ने फिल्म के पहले भाग में अपनी प्रस्तुति से एक लेवल सेट कर दिया है और दर्शकों की उम्मीदों को भी बढ़ा दिया है। ऐसे में श्रीलीला के सामने बड़ी चुनौती होगी कि वह अपने डांस मूव्स से लोगों को प्रभावित करें। साथ ही उनके सामने यह सवाल भी रहेगा कि क्या वह सामंथा के ग्लैमर को मैच कर पाएंगी।

गाने के लिए श्रीलीला को मिली कितनी फीस?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलीला को 'पुष्पा 2' के इस आइटम सॉन्ग के लिए दो करोड़ रुपये फीस दी गई है। हालांकि, श्रीलीला की यह फीस उनकी पिछली रिलीज 'गुंटूर कारम' की तुलना में काफी कम है। कथित तौर पर अभिनेत्री को महेश बाबू की फिल्म के लिए चार करोड़ रुपये मिले थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'पुष्पा' में श्रीलीला की 'पुष्पा 2' की फीस की तुलना फिल्म के पहले भाग में नजर आ चुकी सामंथा रुथ प्रभु को अभिनेत्री से ज्यादा फीस मिली थी। सामंथा को आइटम गाने ऊ अंतवा के लिए कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये दिए गए थे।

पर्दे पर बड़ा धमाल करने की तैयारी में एटली-सलमान

साल 2023 में शाहरुख खान के साथ अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान देने के बाद निर्देशक एटली अब सलमान खान के साथ अपनी छठी फिल्म की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। इस खबर ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

दो हीरो आएंगे नजर

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में दो-हीरो वाली कहानी देखने को मिल सकती है, जिसमें एटली सलमान खान के साथ कमल हासन या रजनीकांत को मुख्य भूमिका में कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। अगर यह कास्टिंग होती है तो हाल के समय की कई यह अब तक की सबसे बड़ा कास्टिंग में से एक होगी।

पुनर्जन्म पर आधारित होगी फिल्म

पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार एटली की अगली फिल्म एक बड़े बजट की पुनर्जन्म पर आधारित एक्शन ड्रामा होगी, जिसमें सलमान खान एक बिलकुल नए अवतार में नजर आएंगे। फिल्म में दो युगों- अतीत और वर्तमान की कहानी दिखाई जाएगी, जिसमें दर्शकों को कई शानदार सीन देखने को मिलेंगे। सलमान खान इस फिल्म में एक योद्धा के रूप में अतीत के युग में दिखाई देंगे, जबकि वर्तमान युग की कहानी अभी तक पूरी तरह से गुप्त रखा गया है। इस फिल्म के सभी पात्र दोनों समय रेखाओं में जुड़े होंगे। इस रिपोर्ट के अनुसार यह इस फिल्म का प्रोडक्शन साल 2025 की गर्मियों में शुरू होगा, क्योंकि एटली को स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने और प्री-प्रोडक्शन शुरू करने के लिए समय की आवश्यकता है। इस फिल्म में दर्शकों को एक्शन, ड्रामा, थ्रिल और इमोशन का भरपूर मिश्रण देखने को मिलेगा। दावा किया जा रहा है कि एटली ने इस साल के अंत तक पूरी कास्ट को फाइनल करने की योजना बनाई है।

फौजी 2 का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हैं गौहर खान

अभिनेत्री गौहर खान ने 'इफ्फी 2024' में शिरकत की। इस दौरान अभिनेत्री ने अपने आगामी शो फौजी 2 के लिए अपनी भावनाओं को साझा किया। गौहर ने बताया कि वह इस शो का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हैं। उन्होंने कहा मैं इस शो का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं और इस शो का एक बड़ा हिस्सा बनना और भी बड़ा सम्मान है। उन्होंने शो के बारे में कहा, शो एक धारावाहिक की तरह नहीं लगेगा, क्योंकि जो कहानियां दिखाई गई हैं वह बहुत ही भरोसेमंद, अनूठी और प्रेरक हैं। इस दौरान उन्होंने शो के निर्माता संदीप सिंह की भी प्रशंसा की।

अभिषेक बच्चन ने नकारात्मकता पर की बात

अभिषेक बच्चन इन दिनों अपनी नवीनतम फिल्म आई वांट टू टॉक को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जिसके पास दुनिया में ज्यादा समय नहीं बचा है। हाल में ही अपने एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने निजी जीवन में नकारात्मकता के बीच आगे बढ़ने के लिए उम्मीद की किरण खोजने को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि वह जिस तरह से व्यक्ति हैं, वो उसे बदल नहीं सकते। बातचीत के दौरान, अभिषेक बच्चन ने नकारात्मकता के बावजूद अपने मौलिक मूल्यों को न बदलने के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इंसान को दृढ़ होने के साथ-साथ चीजों को स्वीकारना और उसके अनुसार ही आगे बढ़ना चाहिए। अभिषेक ने कहा, 卐जब बुरा अपनी बुराई न छोड़े तो अच्छा अपनी अच्छाई क्यों छोड़े? उन्होंने आगे कहा, मैं जो व्यक्ति हूं, उसे नहीं बदल सकता। अभिनेता ने बताया कि वह जीवन में बहुत सकारात्मक व्यक्ति हैं और नकारात्मकता पर ध्यान नहीं देते हैं, नहीं तो ये चीजें उन्हें परेशान कर सकती हैं। अपनी फिल्म आई वांट टू टॉक से तुलना करते हुए, अभिषेक बच्चन ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति बादल पर एक उम्मीद की किरण देखता है, तो उसे वह थामे रखना चाहिए, क्योंकि यह आगे बढ़ने की प्रेरणा बन सकती है। उन्होंने कहा कि अंधकार और नकारात्मकता से ग्रसित होना आसान है। अभिषेक ने आगे कहा कि इंसान को अपने विश्वासों के लिए खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप दुनिया में हवा में उड़ रहा एक पत्ता बनने जा रहे हैं, तो लोग आपको एक ठोस व्यक्ति नहीं मानेंगे।

अभिषेक ने आई वांट टू टॉक को लेकर कहा कि वह शायद इस कहानी पर एक बहुत ही भावनात्मक और दुखद फिल्म बनाते, लेकिन उनके निर्देशक शूजित सरकार ने एक खुशनुमा फिल्म बनाने का फैसला किया, जो दर्शकों को हंसाती है। अभिनेता ने उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक सीखने का अनुभव था, उन्होंने कहा, 卐चाहे कितनी भी कठिन बाधा क्यों न हो, आशा की किरण और कारण को खोजने के लिए तैयार रहना चाहिए।

इफ्फी में मिसेज के एशिया प्रीमियर में सान्या मल्होत्रा को स्टैंडिंग ओवेशन मिला

सान्या मल्होत्रा ने मिसेज में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर एक प्रमुख महिला के रूप में अपनी योग्यता साबित की है, जिसका प्रीमियर गोवा में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में हुआ था। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मलयालम हिट द ग्रेट इंडियन किचन के रूपांतरण वाली इस फिल्म को दर्शकों से खूब सराहना मिली, जिसने सान्या को इंडस्ट्री की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक बना दिया। मिसेज के प्रीमियर पर, सान्या को इस सामाजिक ड्रामा में उनके शक्तिशाली किरदार के लिए भारी तालियाँ से सराहना मिलीं। प्रतिक्रिया से अभिभूत होकर उन्होंने अपना आभार व्यक्त किया। उनके विचारोत्तेजक प्रदर्शन ने सामाजिक मानदंडों और लैंगिक भूमिकाओं पर विचार किया। पगलैट और कटहल में अपनी भूमिकाओं के लिए पहले ही प्रशंसा हासिल कर चुकी सान्या, प्रभावशाली कहानियों के साथ हमेशा खबर में रहती हैं। इस साल की शुरुआत में न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल में उनकी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की जीत और मिसेज की वैश्विक सफलता ने भारतीय सिनेमा में अग्रणी कलाकारों में से एक के रूप में उनका प्रतिष्ठा और मजबूत कर दिया है। मिसेज के अलावा, सान्या की आगामी परियोजनाओं में धर्मा प्रोडक्शंस की सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी, सह-कलाकार वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ साथ है, साथ ही अनुराग कश्यप के साथ एक बेनाम फिल्म शामिल है, जहां वह बॉबी देवल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती दिखेगी।

खुली अर्थव्यवस्था और ग्लोबलाइजेशन के चलते आज भारत में कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां करियर की संभावना न हो। यही वजह है कि विदेशी कंपनियां भी आज भारत का रुख कर रही हैं। बीमा क्षेत्र के लिए यहां पर इसलिए भी काफी उम्मीदें की जा सकती हैं, क्योंकि आज भी यहां केवल तीस से बत्तीस प्रतिशत लोग ही इंश्योर्ड हैं, जबकि हर व्यक्ति को उसकी सामर्थ्य के हिसाब से सिक्योरिटी की जरूरत है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें व्यक्ति को उसकी मनी सिक्योरिटी या लाइफ सिक्योरिटी की उम्मीद रहती है। अत- इसमें आप तरक्की करके अपने करियर को बुलन्दी पर ले जा सकते हैं।

इंश्योरेन्स
करियर की सिक्योरिटी

मार्केटिंग के इस दौर में हर काम को व्यवसाय की दृष्टि से देखा जा रहा है। यही कारण है कि पहले की अपेक्षा लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है और तकरीबन हर व्यक्ति रोटी, कपड़ा और मकान से निकल कर आगे की सोचने लगा है। अब हर किसी की चाहत रहती है कि वह एक स्टैण्डर्ड लाइफ जिए तथा हर तरह की सुविधाओं के अतिरिक्त उसके पास बैंक बैलेन्स और लाइफ सिक्योरिटी हो। ऐसे में इंश्योरेन्स सेक्टर एक ऐसा सेक्टर है, जो व्यक्ति की दोनों आवश्यकताओं की पूर्ति का दावा करता है। भारत में आज भी बहुत कम लोग बीमित हैं। यही कारण है कि आज विभिन्न कंपनियों के साथ बैंक भी इस क्षेत्र में अपने पैर पसार रहे हैं।

एक सर्वे के अनुसार, पिछले दस-बारह सालों में इंश्योर्ड यानी बीमित लोगों की संख्या दोगुनी के करीब हुई है अर्थात् भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर का पदार्पण काफी पहले होने के बाद भी इस क्षेत्र में उतनी तरक्की नहीं हुई, जितनी कि वर्ष 2000 के बाद हुई और इस संख्या में लगातार वृद्धि होती जा रही है। सर्वे के मुताबिक कुल बीमित व्यक्तियों की संख्या में हर साल करीब दस प्रतिशत लोग नए जुड़ जाते हैं और यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले पन्द्रह वर्षों में भारत में करीब साठ प्रतिशत लोग बीमित हो सकते हैं। अगर आप क्रिएटिव माइंड के हैं और पॉजीटिव सोच रखते हैं तो इंश्योरेंन्स के दरवाजे आपके लिए खुले हुए हैं। इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं का भरोसा इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि आज भी देहातों में इंश्योरेन्स के प्रति लोगों में जागरुकता का खासा अभाव है। हालांकि जब से इंश्योरेन्स कम्पनियों ने छोटे शहरों और कस्बों की ओर रुख किया है, तब से काफी हद तक लोग इंश्योरेन्स को सही मायनों में समझने लगे हैं। लेकिन कम सर्विस और पहुंच के अभाव में अभी भी अधिकतर लोगों को इंश्योरेन्स की उतनी जानकारी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। ऐसे पिछड़े क्षेत्रों में इंश्योरेन्स बेचने और वहां के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने, उन्हें जागरुक करने के लिए सभी इंश्योरेन्स कम्पनियों को कर्मठ और योग्य लोगों की जरूरत रहती है। एक कम्पनी के ट्रेनिंग मैनेजर अजय कुमार बताते हैं कि 'एशियाई देशों में बहुत कम लोग इंश्योर्ड हैं, जबकि आज हर किसी को हाई रिस्क सेफ्टी की जरूरत है। एक सर्वे के अनुसार, हमारे देश में कुल बीस प्रतिशत लोग इंश्योर्ड थे। आज यह आंकड़ा बढ़कर करीब तीस से बत्तीस प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में इंश्योरेन्स सेक्टर में अपार संभावनाएं हैं। वर्ष 2000 तक भारत में काफी कम कम्पनियां इस सेक्टर से जुड़ी थीं, जबकि आज करीब 47 कम्पनियां लाइफ इंश्योरेन्स और जनरल इंश्योरेन्स से जुड़ी हैं, जिनमें लाइफ इंश्योरेन्स करने वाली कम्पनियों की संख्या ज्यादा है। इसके अलावा कुछ बैंक भी इस सेक्टर से जुड़ चुके हैं। इधर विदेशी कम्पनियों ने भी अपने व्यवसाय जमाने शुरू कर दिए हैं।

यदि आप भी मार्केटिंग से जुड़े हैं या जुड़ना चाहते हैं तो इंश्योरेन्स में आपके लिए अपार संभावनाएं हैं। इंश्योरेन्स सेक्टर में आपने कोई कोर्स किया हो अथवा नहीं, आप इस क्षेत्र में पदार्पण कर सकते हैं। यही एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप बिना किसी स्पेशल कोर्स के भी कम से कम बतौर एजेन्ट आगे बढ़ सकते हैं। किसी कम्पनी में बतौर एजेन्ट काम शुरू करना पहली सीढ़ी है, लेकिन जैसे-जैसे बिजनेस यानी आपका टारगेट पूरा होता जाता है, वैसे-वैसे प्रमोशन भी होता जाता है। इस क्षेत्र में किसी भी पद पर प्रमोशन के लिए कम से कम एक साल मिलता है। इसका मतलब यह हुआ कि कोई व्यक्ति हर वर्ष प्रमोशन की सीढ़ी चढ़ सकता है।

दूसरे सेक्टरों की अपेक्षा इंश्योरेन्स सेक्टर एकदम भिन्न है। दूसरे सेक्टरों में जहां काम करने के घंटे निर्धारित होते हैं, इसमें टाइम की कोई पाबंदी नहीं होती, बस आपको ग्राहक से अपनी डीलिंग के हिसाब से चलना पड़ता है। इस सेक्टर में मेहनती और ईमानदार वर्कर्स की बेहद कद्र होती है। इसके लिए जो लोग इस क्षेत्र में अपनी कम्पनी के अधिकतम टारगेट या उससे अधिक का बिजनेस देते हैं, कम्पनी उनको तरह-तरह के आकर्षक और कीमती पुरस्कारों के अतिरिक्त देश-विदेश यात्रा का मौका देती है। इस क्षेत्र में लड़के -लड़कियां दोनों ही अपना भविष्य संवार सकते हैं।

स्कॉलरशिप - कुछ संस्थानों में एससी/एसटी तथा विकलांग और कुछ में पिछड़ा वर्ग को स्कॉलरशिप का प्रावधान है। संबंधित संस्थानों के अपने नियम हैं।

नौकरी के अवसर - इंश्योरेन्स एंड मैनेजमेंट के लोग इंश्योरेन्स, बैकिंग, शेयर बाजार तथा इंश्योरेन्स सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में नौकरी तलाश कर सकते हैं। जिन लोगों ने कोई कोर्स नहीं किया है, वे भी बतौर एजेन्ट या आईएसओ या बीडीओ या एक्जीक्यूटिव इस क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

एजुकेशन लोन - उम्मीदवार संस्थान की प्रवेश स्वीकृति के उपरान्त एजुकेशन लोन ले सकते हैं। लगभग सभी बैंक इसके लिए लोन प्रदान करते हैं। अधिकतम दस लाख तक का लोन मिल सकता है।

वेतन - इंश्यारेंस से संबंधित कोर्स करने वाले व्यक्ति को पन्द्रह हजार से पचास हजार (फ्रेशर की स्थिति में) तथा चालीस से दो लाख तक अनुभव और कोर्स के हिसाब से प्रतिमाह मिल जाते हैं।

करियर की अपार संभावनाएं
होटल मैनेजमेंट

होटल इंडस्ट्री सीधे तौर पर पर्यटन से जुड़ी है, परन्तु पर्यटकों का आना ही काफी नहीं होता, उन्हें मिलने वाली सुविधाएं भी काफी महत्त्वपूर्ण होती हैं। उनकी गुणवत्ता के आधार पर ही पर्यटकों को इस ओर आकर्षित किया जा सकता है। इसके अलावा बढ़ते औद्योगीकरण ने भी होटल व्यवसाय को तेजी से बढ़ाने में मदद की है।

उदारीकरण के विस्तार में यह निश्चित है कि अर्थव्यवस्था की मजबूती इस क्षेत्र को भी नई ऊंचाइयां देगी। पर्यटन और होटल इंडस्ट्री की जुगलबंदी से न सिर्फ देश में, बल्कि विदेश में भी रोजगार के बेशुमार अवसर सामने आ रहे हैं। भारत की होटल इंडस्ट्री के लिए इसे स्वर्ण युग ही कहा जाएगा और इसमें करियर बनाने वालों के लिए यह अपार संभावनाओं का समय है।

यह ग्लैमर से भरपूर ऐसा पेशा है, जिसमें अच्छे व प्रशिक्षित लोगों की फिलहाल कमी है। कहने को तो अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी रोजगार तलाशने वालों की कमी नहीं है, किन्तु ऐसे लोगों की कमी है, जो इस पेशे के लिए जरूरी योग्यताओं पर खरे उतरते हों। भारत में बढ़ रही व्यावसायिक गतिविधियों का आलम यह है कि यहां के होटलों में कमरे खाली नहीं मिलते। एशिया प्रशांत क्षेत्र में होटल इंडस्ट्री के विकास के मामले में भारत का नम्बर चीन के बाद दूसरा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में होटलों में 1, 10,000 से भी अधिक कमरे हैं। पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक पिछले साल 41 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए और इस साल के रुझान को देखते हुए लगता है कि यह संख्या एक करोड़ को भी पार कर जाएगी। देशी भ्रमणकारियों की भी बड़ी संख्या है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल, भारत के आंकड़े कहते हैं कि बिजनेस ट्रैवल के मामले में भारत का स्थान 18वां है और इस दशक में इसके पांचवें स्थान पर पहुंचने की उम्मीद है। इन बातों के आईने में यह साफ नजर आता है कि होटल मैनेजमेंट कोर्स करके इस क्षेत्र में करियर बनाना एक समझदारी भरा निर्णय हो सकता है।

होटल इंडस्ट्री में कैसा काम

होटल इंडस्ट्री में बतौर प्रशिक्षु कार्य करने से लेकर प्रबंधक बनने तक अनुभव व कार्य कौशल के कई चरणों से होकर गुजरना होता है। यह उम्मीदवार को तय करना पड़ता है कि किस विभाग के कार्य में उसकी विशेष रुचि है और आने वाले समय में उसका लक्ष्य क्या है। यह उसकी व्यक्तिगत योग्यता और व्यक्तित्व पर निर्भर करेगा कि उसे कैसा अवसर मिल पाता है। वैसे किसी भी होटल में प्रबंधक व तमाम विभागों की अलग-अलग जिम्मेदारियां होती हैं। कुछ पर नजर डालते हैं-

प्रबंधक

होटल के प्रबंधक इस बात के लिए जिम्मेदार होते हैं कि उनका होटल सुचारू रूप से चले और लाभ कमाए। महाप्रबंधक तो इस बारे में अपनी योग्यता का इस्तेमाल करते हैं कि वित्त की स्थिति ठीक रहे, कर्मचारी अतिथियों को स्तरीय सेवा प्रदान करने के साथ-साथ संस्थान के नियमों का भी पालन करें, हाउसकीपिंग ठीक हो, खाने का स्वाद व क्वालिटी ठीक हो, होटल की आंतरिक साज-सज्जा उच्च कोटि की हो इत्यादि। अलग-अलग विभागों के सहायक प्रबंधक अपने विभागों के कार्य पर निगरानी रखते हैं। बड़े होटलों में तो रेजिडेंट मैनेजर भी होते हैं।

फंट ऑफिस

फंट ऑफिस में बैठने वाले कर्मचारी होटल में आने वाले अतिथियों का स्वागत करते हैं। यहां रिसेप्शन होता है, सूचना डेस्क होता है, अतिथियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था देखने वाले होते हैं और बेलकैप्टन, बेल बॉय और डोरमैन होते हैं। ये लोग अतिथियों का सामान उनके कमरे में पहुंचवाने से लेकर उनको सूचनाएं भिजवाने का कार्य करते हैं।

फूड एंड बेवरेज (एफ एंड बी)

इस विभाग में तीन ईकाइयां होती हैं- पाकशाला यानी किचन, स्टीवर्ड विभाग और फूड सर्विस विभाग। इस विभाग के मैनेजर और कर्मचारी मिल कर इस विभाग की जिम्मेदारियों को निपटाते हैं। खाना बनाने से लेकर परोसने तक का काम यहां होता है। इससे जुड़ी हर चीज का रख-रखाव करना होता है।

हाउसकीपिंग

किसी भी होटल को उम्दा किस्म की देखभाल की जरूरत होती है। हाउसकीपिंग विभाग सभी कमरों, मीटिंग हॉल, बैंक्वेट हॉल, लाउंज, लॉबी, रेस्तरां इत्यादि की साफ-सफाई की जिम्मेदारी उठाता है। हर चीज करीने से दिखनी चाहिए, यह इस विभाग के काम करने का मूलमंत्र है। यह होटल का बेहद महत्त्वपूर्ण विभाग है और 24 घंटे काम करता है। इसमें पालियों में काम होता है।

मार्केटिंग विभाग

आज होटल में उपलब्ध सेवाओं व सुविधाओं की मार्केटिंग होटल मैनेजमेंट का अहम पहलू है। यह विभाग संभावित ग्राहकों की जरूरतों के लिहाज से पैकेज तैयार करता है और उन्हें बेचता है। इनकी काबिलियत का ही प्रत्यक्ष लाभ होटल को मिलता है। बेहतर पैकेजिंग से आकर्षित होकर जितने ग्राहक आते हैं, वे होटल को न सिर्फ बिजनेस देते हैं, बल्कि दूसरों को भी बताते हैं। इन सबके अलावा होटल में भी अन्य वे विभाग होते हैं, जो दूसरे संगठनों या कंपनियों में होते हैं, जैसे अकाउंट्स, सिक्योरिटी, मेंटेनेंस इत्यादि। अब आपको तय करना है कि एक कामयाब करियर होटल मैनेजमेंट की चुनौतियों को स्वीकार करना है कि नहीं। इंडस्ट्री तो अपनी जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित लोगों को अवसर देने के लिए तैयार है।

पढ़ाई व प्रशिक्षण

अब सवाल यही उठता है कि होटल इंडस्ट्री में काम करने के लिए कहां से क्या पढ़ा जाए तथा कैसा प्रशिक्षण प्राप्त किया जाए? इस विषय में पढ़ाई करने के लिए सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीजी कोर्स तक उपलब्ध हैं, जिन्हें अलग-अलग संस्थान कराते हैं। होटल मैनेजमेंट कोर्स कराने वाले सरकारी संस्थान हैं और निजी संस्थान भी। सरकारी संस्थानों में अभ्यर्थी संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दाखिला लेते हैं और निजी संस्थानों में साक्षात्कार व अंक प्रतिशत के आधार पर चयन किया जाता है। निजी संस्थानों में दाखिले के लिए अभ्यर्थी को अपनी सुविधा और सामर्थ्य के मुताबिक संस्थान का चयन करना चाहिए। सरकारी संस्थान बुनियादी सुविधाओं के मामले में तो बेहतर हो सकते हैं, किन्तु उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कोई तरीका नहीं है। फिर भी सरकारी तंत्र के अपने लाभ हैं। बहरहाल, निम्न पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं -

- बेकरी एंड कन्फेक्शनरी/होटल रिसेप्शन एंड बुक कीपिंग/रेस्तरां एंड काउंटर सर्विस में एक वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय डिप्लोमा
- होटल मैनेजमेंट एंड केटरिंग टेक्नोलॉजी में चार वर्षीय स्नातक डिग्री
- होटल मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीएससी
- हॉस्पिटेलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट में तीन वर्षीय बीए
- इंटरनेशनल होटल्स में दो साल का पीजी डिप्लोमा
- हॉस्पिटेलिटी एडमिनिस्ट्रेशन में दो साल की एमएससी
- होटल एंड केटरिंग मैनेजमेंट में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स

योग्यता

इन पाठ्यक्रमों को करने के लिए किसी भी मान्यताप्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 10वीं/ 12वीं या स्नातक होना जरूरी है। 12वीं में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ी होनी चाहिए।

नौकरी के अवसर

होटल मैनेजमेंट कोर्स करने वालों के लिए कई विकल्प हैं-

- होटल एवं हॉस्पिटेलिटी उद्योग में मैनेजमेंट प्रशिक्षु।
- होटलों में किचन मैनेजमेंट या हाउसकीपिंग मैनेजमेंट।
- एयरलाइन केटरिंग एंड केबिन सर्विसेज।
- होटल एवं अन्य सर्विस सेक्टर में गेस्ट या कस्टमर रिलेशन एक्जिक्यूटिव।
- फास्ट फूड चेन। ल्लरिसोर्ट मैनेजमेंट।
- क्रूज शिप होटल मैनेजमेंट, ल्लगेस्ट हाउसेज।
- हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन एंड केटरिंग।
- रेलवे या बैंक या बड़े संस्थानों में केटरिंग या कैंटीन।
- स्वरोजगार

वेतन

कोर्स पूरा करने के बाद नौकरी के तमाम अवसर हैं, जिनमें अपनी रुचि और दक्षता के आधार पर करियर बनाया जा सकता है। इनमें शुरुआती स्तर पर 12,000 रुपये से लेकर 15,000 रुपये तक का स्टाइपेंड मिलता है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद नियमित नौकरी मिल सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ेगा और कुशलता आएगी, वेतन उसी अनुपात में बढ़ता जाएगा, जो लाखों में भी हो सकता है।

व्यक्तिगत गुण

इस पेशे में रुचि रखने वालों के लिए सबसे जरूरी तो यह है कि उनका व्यक्तित्व आकर्षक हो। उनमें ऐसी बात हो कि उससे उनका दोस्ताना रवैया झलके। उनके करीब आते ही सामने वाला इस बात के लिए न हिचके कि वह उनसे मदद मांगे कि नहीं। व्यक्ति ऐसे होने चाहिए कि उनसे शालीन खुलेपन की सुगंध आए। वे अपनी जिम्मेदारियों को समझें, न कि टालमटोल और दूसरों पर डालने की प्रवृत्ति के मारे हों। काम को मिलजुल कर करने का हौसला रखते हों तो क्या कहने। किसी भी मसले पर तरतीब से सोचने की क्षमता हो और प्रशासनिक दक्षता भरपूर हो। इनके अलावा स्वस्थ हों और किसी भी समय कार्य करने के लिए तत्पर हों। आत्म-विश्वास और हर काम की बारीकियों को समझने और उसे अपेक्षानुसार करने का गांभीर्य भी होना चाहिए उन सबमें, जो इस स्वागत सत्कार के संसार में अपनी पहचान बनाने की हिम्मत रखते हों। बताने की जरूरत नहीं कि होटल में आने वाला हर गेस्ट खास होता है। लिहाजा उसकी हर बात को गंभीरता से लेना होता है और उसे समझदारी से संभालना होता है। काम के दबाव में भी आपके चेहरे पर मुस्कान होनी चाहिए, ऐसा इंडस्ट्री के पंडित कहते हैं। यदि ऐसा कुछ आप में है तो कोई वजह नहीं कि कोई आपको नकार दे।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267